शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

रविवार 24 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 11 • अंक : 22 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

राघव चड्ढा को संसद की पिटीशन कमेटी का अध्यक्ष बनाया

नईदिल्ली। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को संसद की पिटीशन कमेटी (याचिका समिति) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें सदन के 10 सदस्यों को शामिल किया है। इस समिति में राघव चड्ढा के अलावा हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुबाशीष खुंटिया, रोंगवरा नरजारी और संदोष कुमार पी. को सदस्य बनाया गया है।

10 साल की बच्ची की किडनैपिंग के बाद की हत्या

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के सूलूर में 10 साल की बच्ची की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे राज्य में शोक और गुस्से का माहौल है। मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मामले को भयावह बताते हुए जांच के आदेश दिए हैं। ष्टरूविजय ने ङ्क पर पोस्ट कर कहा, 'मैंने पुलिस को मामले की विस्तृत और त्वरित जांच कर जल्द चार्जशीट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। घटना को लेकर विपक्ष ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। ष्टस्य्र नेता उदयनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया कि नई सरकार बनने के 12 दिनों के भीतर 30 से ज्यादा गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

टीसीएस मामले में 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

नासिक। नासिक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। मामला छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न और कथित धर्म परिवर्तन के प्रयास से जुड़ा है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अब तक 9 एफआईआर दर्ज की गई हैं और जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। इसमें दानिश एजाज शेख, तौसिफ बिलाल अटार, निदा एजाज खान और मतीन माजिद पटेल को आरोपी बनाया गया है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

अमरनाथ से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई

पवित्र गुफा में 6-7 फीट का शिवलिंग बना, यात्रा 3 जुलाई से ; सुरक्षा में तैनात जवानों ने दर्शन किए

राष्ट्रबाण | श्रीनगर | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बाबा बर्फानी की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी।

रास्ते में अब भी 12 फीट तक बर्फ जमी

इन दिनों रास्ते में सामान्य जगहों पर 6 से 8 फीट और हिमस्खलन वाले इलाकों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। बालटाल मार्ग पर 9 किमी और नुनवान-पहलगाम मार्ग पर 8 किमी ट्रैक से बर्फ हटाई जा चुकी है। ट्रैक को 12 फीट चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटेनिंग वॉल और कल्वर्ट बनाने का काम भी चल रहा है।

इस बार बेहतर व्यवस्था

इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। इससे श्रद्धालुओं को आरामदायक और आधुनिक आवास जैसी सुविधा मिल सकेगी। फाइबर स्ट्रक्चर तापमान में अचानक गिरावट और बारिश से निपटने में कारगर रहेंगे। हर इमारत में 48 कमरे हैं। हर कमरे में अटैच्ड वॉशरूम हैं। गर्म-ठंडे पानी की सुविधाएं होंगी।

बाढ़ वाली जगह पर नहीं लगेंगे कैंप

इस साल सभी संवेदनशील हिस्सों और आपदा की आशंका वाले स्थानों को तीर्थयात्रियों के लिए 'नो-एंट्री जोन' घोषित किया गया है। बालटाल और नुनवान रास्तों के दोनों ट्रैक को चौड़ा किया गया है। पुलों को भी बेहतर बनाया गया है। बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाओं को देखते हुए संवेदनशील जगहों पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे।

अमरनाथ यात्रा के लिए 3.6 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है, लेकिन सीमा सड़क संगठन दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रैक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे। यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमर्ग और पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे। 5 से 30 लोगों के ग्रुप में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन बुधवार को बंद हो गए।

चीन की कोयला खदान में ब्लास्ट, 90 लोगों की मौत

247 मजदूर काम कर रहे थे ; जिनपिंग बोले- गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे

राष्ट्रबाण | बीजिंग | एजेंसी | rashtrabaan.in

चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा चीन में पिछले एक दशक का सबसे बड़ा कोयला खदान हादसा माना जा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक विस्फोट शुक्रवार को शांक्सी प्रांत के किनयुआन काउंटी में हुआ। यह इलाका बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। हादसे से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी किया गया था। इसके कुछ समय बाद जोरदार विस्फोट हुआ।

जिस समय धमाका हुआ, उस वक्त खदान के अंदर 247 मजदूर काम कर रहे थे। अभी यह साफ नहीं है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है।

हैरानी की बात यह है कि हादसे के तुरंत बाद शिन्हुआ ने शुरुआती रिपोर्ट में सिर्फ आठ मौत की जानकारी दी थी और कहा था कि 200 से ज्यादा मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बाद में अचानक मृतकों की संख्या बढ़कर 82 बताई गई। सरकारी मीडिया ने यह साफ नहीं किया कि आंकड़ा इतनी तेजी से कैसे बढ़ा।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे के बाद बचाव टीमों को लापता लोगों को खोजने के लिए हर संभव कोशिश करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हादसे के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से धमाके की आशंका

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, खदान के अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर काफी ज्यादा बढ़ गया था। माना जा रहा है कि इसी वजह से विस्फोट हुआ। फिलहाल हादसे के असली कारण की जांच की जा रही है। जिनपिंग ने कहा कि सभी क्षेत्रों और सरकारी विभागों को इस हादसे से सबक लेना चाहिए, कार्यस्थल सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना चाहिए और बड़े हादसों को रोकने के लिए जोखिमों की पूरी जांच करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि चीन में बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, इसलिए बाढ़ रोकथाम और आपदा प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।

जिनपिंग बोले- लोकल अधिकारियों को जिम्मेदारी याद दिलाएं

जिनपिंग ने चीन की स्टेट काउंसिल के सुरक्षा विभाग से भी कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों की याद दिलाए। उन्होंने निर्देश दिया कि हर हादसे की गंभीर जांच हो और भविष्य में ऐसे हादसों को हर हाल में रोका जाए। वहीं, चीन के प्रधानमंत्री ली च्यांग ने भी कहा कि लापता मजदूरों को खोजने के लिए हर संभव कोशिश की जानी चाहिए। उन्होंने हादसे की वजह की जल्द जांच कराने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करने की बात कही।

उपप्रधानमंत्री हादसे वाली जगह पर पहुंचे

चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक उपप्रधानमंत्री झांग गुओकिंग और स्थानीय प्रशासन के सीनियर अधिकारी भी हादसे वाली जगह पर पहुंचे। वे राहत और बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं और आपातकालीन कामों का निर्देशन कर रहे हैं। चीन ने बीते कुछ साल में खदान सुरक्षा नियमों को सख्त किया है, इसके बावजूद वहां खदान हादसे लगातार होते रहे हैं। कोयला उत्पादन बढ़ाने के दबाव और कई जगह सुरक्षा मानकों में लापरवाही को इसकी बड़ी वजह माना जाता है। इससे पहले फरवरी 2023 में इनर मंगोलिया के शिनजिंग इलाके में एक ओपनकास्ट खदान में भूस्खलन हुआ था, जिसमें 53 मजदूरों की मौत हुई थी।

ट्रम्प ने पीएम मोदी को अमेरिका आने का न्योता दिया

विदेश मंत्री रूबियो दिल्ली में पीएम से मिले ; अमेरिकी मीडिया बोली- यह डैमेज कंट्रोल की कोशिश

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सेवा तीर्थ में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से पीएम मोदी को अमेरिका आने का न्योता दिया।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, रणनीतिक तकनीक और इंडो-पैसिफिक सहयोग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति और ईरान संकट पर भी बातचीत हुई। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी एलिसन हूकर भी मौजूद थीं।

रूबियो की यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के चीन दौरे के सिर्फ 7 दिन बाद हो रही है। ऐसे में अमेरिकी मीडिया का कहना है कि रुबियो की यह यात्रा सिर्फ कूटनीतिक नहीं बल्कि डैमेज कंट्रोल मिशन भी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प की हालिया चीन यात्रा ने एशिया की राजनीति में नई बेचैनी पैदा कर दी है। बीजिंग में ट्रम्प ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की खुलकर तारीफ की। उन्होंने शी को महान नेता और खास दोस्त बताया।

भारत-अमेरिका में 1 साल से तनाव जारी

रिपोर्ट के मुताबिक, रूबियो का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब पिछले साल के मध्य से भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ मुद्दों को लेकर तनाव देखा गया था। माना जा रहा है कि इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के रिश्तों को फिर से मजबूत करना भी है। अब दिल्ली में रुबियो की बातचीत का सबसे बड़ा मकसद यही माना जा रहा है कि भारत यह समझ सके कि ट्रम्प सरकार एशिया में आगे क्या रणनीति अपनाने वाला है और चीन के साथ उसके रिश्तों की दिशा क्या होगी।

कॉकरोच जनता पार्टी का दावा- वेबसाइट बंद, इंस्टाग्राम हैक, फाउंडर बोले- सरकार तानाशाह

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने और वेबसाइट बंद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने सुबह 8.25 बजे ङ्क पोस्ट में बताया कि सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

इसके बाद पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दोपहर 1.14 बजे एक्स पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 6 लाख लोगों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली याचिका पर साइन किए थे। अभिजीत ने लिखा- सरकार कॉकरोच से इतनी डरी हुई क्यों है? लेकिन यह तानाशाही रवैया भारत के युवाओं की आंखें खोल रहा है। आप अकाउंट को हैक करके उन पर रोक लगा सकते हैं, लेकिन आप इस आंदोलन को हैक नहीं कर सकते।

इधर, पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने 'कॉकरोच मूवमेंट' का समर्थन किया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी से कहा- मैं न बेरोजगार हूं, न आलसी, इसलिए पार्टी का सदस्य नहीं बन सकता। लेकिन मैं खुद को ऑनरेरी कॉकरोच मानता हूं।'

8 दिन में सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स: सोशल मीडिया पर सीजेपी के अकाउंट बनने के बाद 8 दिनों के दौरान इंस्टाग्राम पर दोपहर 2 बजे तक 2 करोड़ 20 लाख फॉलोअर्स हो चुके हैं। एक्स पर पहला अकाउंट ब्लॉक हो गया था। 21 मई को नया अकाउंट बना और उस पर भी फॉलोअर्स की संख्या 2 लाख पार हो चुकी है।

51000 युवाओं को जॉब लेटर मिले

पीएम बोले- अब आप देश की विकास यात्रा में शामिल ; 12.50 लाख से ज्यादा को मिल चुकी नौकरी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 51 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के लिए अपॉइंटमेंट लेटर दिए। इसमें चुने गए युवाओं को रेलवे, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग, वित्तीय सेवा और उच्च शिक्षा समेत कई सरकारी विभागों में नौकरी मिली।

देश के 47 शहरों में हुए 19वें रोजगार मेले में पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने युवाओं से बातचीत भी करेंगे।

इससे पहले देशभर में 18 रोजगार मेले हो चुके हैं, जिनमें करीब 12 लाख युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर दिए जा चुके हैं।

रोजगार मेले में पीएम के बयान की बड़ी बातें...

पीएम मोदी बोले- 5 देशों की इस यात्रा के दौरान मैंने कई देशों की बड़ी कंपनियों के नेताओं के साथ बातचीत की। हमारी विस्तृत चर्चाएं और बैठकें हुईं। हर जगह, मैंने लगातार एक बात महसूस की, दुनिया भारत के युवाओं और भारत की तकनीकी प्रगति को लेकर बेहद उत्साहित है।

प्रधानमंत्री ने कहा- नीदरलैंड्स से सेमीकंडक्टर, जल प्रबंधन, कृषि पर चर्चा हुई। स्वीडन के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल नवाचार में सहयोग पर चर्चा हुई। नॉर्वे के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और समुद्री सहयोग पर चर्चा आगे बढ़ी, और साझेदारी को लेकर समझौते हुए।

ग्रीन ट्रांजिशन और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी में स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ सहयोग भी बढ़ रहा है।

ट्रम्प वीकेंड प्रोग्राम कैंसिल कर व्हाइट हाउस लौटे, ईरान बोला- दुश्मन की बेवकूफी का जवाब देंगे

रिपोर्ट- ईरान पर फिर हमले की तैयारी में अमेरिका

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम रद्द कर अचानक व्हाइट हाउस लौट आए हैं। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की तैयारी कर सकता है। सीबीएस न्यूज ने दावा किया है कि ट्रम्प प्रशासन संभावित नए हमलों की प्लानिंग पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन और सेना के कई सीनियर अधिकारियों ने भी अपने छुट्टी और हॉलिडे प्रोग्राम रद्द कर दिए हैं। इसी बीच ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि ईरानी सेना दुश्मन की किसी भी बेवकूफी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान की नौसेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में होर्मुज स्ट्रेट से 25 जहाज गुजरे हैं। पिछले कुछ दिनों में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की संख्या लगातार बदलती रही है।

ईरान ने कहा- ट्रम्प से तुलना के बाद भैंसा भी उदास

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प पर तंज कसते हुए एक वायरल भैंसे का वीडियो शेयर किया है। यह सफेद रंग का भैंसा बांग्लादेश में काफी चर्चा में है। लोगों का मानना है कि उसका चेहरा और बाल ट्रम्प से मिलते-जुलते हैं। रूस में ईरान के आधिकारिक एक्स अकाउंट ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'बेचारा! डोनाल्ड ट्रम्प से तुलना होने के बाद बांग्लादेशी भैंसा परेशान हो गया।'

वीडियो में रूसी सरकारी चैनल आरटी की रिपोर्ट दिखाई गई, जिसमें दावा किया गया कि ट्रम्प जैसे दिखने वाले इस भैंसे ने लोगों की भीड़ लगने के बाद खाना कम कर दिया है। यह भैंसा बांग्लादेश के नारायणगंज इलाके में मौजूद है और ईद-उल-अजहा से पहले लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। करीब 700 किलो वजन वाले इस दुर्लभ सफेद भैंसे का सुनहरा रंग और सिर पर बालों का गुच्छा लोगों को ट्रम्प की याद दिला रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल होने के बाद हर दिन बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंच रहे हैं।

यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट इन टिप्स की मदद से मिलेगी सफलता

सीयूईटी की परीक्षा के लिए बेहद कम समय बचा है और छात्र रीवीजन की तैयारी में लग गए हैं। लेकिन केवल तैयारी से ही काम नहीं चलता क्योंकि आवश्यकता होती है एक ऐसी स्ट्रेटेजी की जिसकी मदद से परीक्षा में सफलता मिल सके। आइए जानते हैं उन खास टिप्स और ट्रिक्स कौन-से हैं जो परीक्षा में अच्छे अंक दिला सकते हैं।

सिलेबस को अच्छे से चेक करें

किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए सबसे पहले आवश्यक है कि सिलेबस को अच्छे से जान लें और परीक्षा के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठी कर लें। तैयारी करने के क्रम में सिलेबस के अनुसार पढ़ाई करें और उसी के अनुसार अपना टाइम मैनेजमेंट करें।

पसंदीदा कॉलेज को देखें

परीक्षा की तैयारी से पहले एडमिशन लेने के लिए कॉलेज और कोर्स का चुनाव कर लें। ऐसा करने से आपको पिछले वर्ष के कट-ऑफ का अंदाजा तो लगेगा ही साथ ही यह भी पता लगेगा कि अपने पसंदीदा कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आपको कितने सीयूईटी अंको की आवश्कता होगी।

रूटीन बना लें

अपने सिलेबस को छोटे खंडों में बांट लें और एक समय में एक खंड पर ही ध्यान रखें। सभी विषयों को समय दें और उसी के अनुसार पढ़ाई करें। इसके अलावा उन विषयों को भी रिवाइज करने के लिए समय निकालें जिन्हें आपने पहले ही पढ़ा हुआ है। रीवीजन करने से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी।

तैयारी के लेवल को चेक करें

पढ़ाई पूरी होने के बाद टेस्ट पेपर सॉल्व करने का प्रयास करें। प्रश्नों को सॉल्व करें, कॉन्सेप्ट पर कार्य करें और फाइनल एग्जाम के लिए टॉपिक तैयार करें। ऐसा करने से आपकी स्पीड तो बढ़ेगी ही साथ ही परीक्षा में आंसर फ्रेम करने मे भी मदद मिलेगी।

इन प्वाइंस की मदद से करें यूनिवर्सिटी एंट्रेंस की तैयारी

किसी भी एंट्रेंस परीक्षा की तैयारी करना और उसकी स्ट्रेटेजी बनाना आसान नहीं होता। एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ दृढ़ संकल्प और निरंतरता की भी आवश्यकता होती है। इसके साथ ही एक बेहतर गाइडेंस की और रिसोर्स की आवश्यकता भी होती है। आइए इस लेख के माध्यम से सीयूईटी की तैयारी की स्ट्रेटेजी के विषय में जान लेते हैं।

एग्जाम और उसके सिलेबस को समझना

तैयारी की सबसे पहली सीढ़ी है एंट्रेंस एग्जाम और उसके सिलेबस को समझना। सबसे पहले जाने कि सीयूईटी की परीक्षा क्या है और इसका सिलेबस कैसा है। यह जानना जरूरी है कि किन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे और कौन से विषय अधिक जरूरी हैं। ऐसा करने से आप जरूरी विषयों की पहचान कर पाएंगे और अपना समय बचा पाएंगे।

एक टाइम-टेबल बनाएं

जब सिलेबस के विषय में जानकारी हो जाए तो आवश्यक है कि तैयारी के लिए टाइम-टेबल बनाया जाए। बोर्ड की परीक्षा खत्म होने के बाद सीयूईटी की परीक्षा आयोजित की जाएगी यही कारण है कि छात्रों को जल्द से जल्द टाइम-टेबल बनाकर तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। एक ऐसा प्लान बनाएं जिसमें आप हर दिन 90-120 मिनट बिता सकें। अपनी स्पीड और अपने टाइम-टेबल पर टिके रहें और आप निश्चित रूप से परीक्षा में सफल होंगे।

अधिक से अधिक प्रैक्टिस करें

प्रैक्टिस सफलता की कुंजी है। तरह-तरह के प्रश्नों की प्रैक्टिस करना बहुत महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं के पिछले प्रश्नों की प्रैक्टिस करें। स्क्रीन पर एमसीक्यू का अभ्यास करने के लिए अधिक से अधिक लाइव क्लासेस में शामिल हों और सबसे जरूरी बात कि एक अच्छी किताब को अपनी तैयारी का हिस्सा बनाएं।

मोटिवेटेड रहें

किसी भी समस्या यहां तक कि एक एंट्रेंस एग्जाम में सफलता के लिए मोटिवेशन बेहद जरूरी है। पॉजिटिव रहें और सोचे कि एंट्रेंस में सफलता आपके सपनों और आपके करियर को आकार देने में कैसे मदद करेगी। मार्गदर्शन मांगे। अगर जरूरी हो तो विशेषज्ञों से जुड़ें।

कैसे बनें मोबाइल ऐप डेवलपर

मोबाइल ऐप डेवलपर बनने के लिए व्यक्ति को रचनात्मक और नवीनता से भरपूर होना चाहिए। उसे टेक्निकल-सैव्वी होना चाहिए और मानवीय जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने वाले ऐप्स विकसित करने की भावना के साथ विचारशील होना चाहिए। मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर मोबाइल एप्लिकेशन प्रोग्राम लिखने में एक कुशल और उपयुक्त पेशेवर होता है। गेमिंग, वीडियो कॉलिंग, ई-मेल और म्यूजिक आदि जैसी सेवाओं का उपयोग आज के समय में मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर्स के लिए जबरदस्त अवसर प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी की प्रगति और मोबाइल फोन, विशेषकर स्मार्टफोन के सभी क्षेत्रों में मोबाइल ऐप जैसे वाइबर, व्हाट्सएप आदि का उपयोग बढ़ रहा है जिससे आने वाले समय में मोबाइल ऐप डेवलपर्स की मांग भी बढ़ रही है। इस कार्य को कुशलतापूर्वक करने के लिए मोबाइल ऐप डेवलपर्स को एक से अधिक प्रोग्रामिंग भाषा के व्यापक अनुभव और ज्ञान की आवश्यकता होती है जिसे औपचारिक योग्यता प्राप्त करके प्राप्त किया जा सकता है।

एक मोबाइल ऐप डेवलपर सेल फोन पर एप्लिकेशन बनाने, परीक्षण करने और बढ़ावा देने के लिए प्रोग्रामिंग भाषाओं और उन्नति क्षमताओं का उपयोग करता है। वे आईओएस और एंड्रॉइड जैसी प्रसिद्ध फ्रेमवर्क स्थितियों में काम करते हैं और नियमित रूप से एप्लिकेशन बनाते समय यूआई और यूएक्स मानकों पर विचार करते हैं। एक मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर एक संगठन में निम्नलिखित कर्तव्यों को पूरा करने के लिए जवाबदेह होता है –

- ग्राहकों के अपेक्षाओं और सहयोगियों के साथ प्रस्तावित समाधानों की जांच करना और बहुमुखी उपयोगिता में सहायता के लिए एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) बनाना।
- बहुमुखी अनुप्रयोगों को कोड करने और ऐप्स के लिए मौजूदा वेब एप्लिकेशन्स का उपयोग और समायोजन करने के लिए प्रौद्योगिकी, विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अपटूडेट रहना।
- उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में ऐप कोडिंग, परीक्षण, डिबगिंग, दस्तावेज़ीकरण और निगरानी शामिल होती हैं।
- संगठन के भीतर विभिन्न विभागों के साथ बातचीत करना भी मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर की एक प्रमुख जिम्मेदारी है।
- वे एक संगठन में परियोजना अनुसूचियों और कार्यप्रवाहों के विकास में भी योगदान करते हैं।

आवश्यक पात्रता

शैक्षिक योग्यता– कंप्यूटर विज्ञान या सॉफ्टवेयर कंप्यूटर इंजीनियर में स्नातक की डिग्री, या संबंधित सॉफ्टवेयर विकास क्षेत्र।

प्रमाणन और व्यावहारिक अनुभव – हालांकि प्रमाणीकरण प्राप्त करना मोबाइल ऐप डेवलपर होने के लिए पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन एक औपचारिक स्नातक की डिग्री और उससे ऊपर की योग्यता इस क्षेत्र में लीडर बनने के लिए यह एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है।

आवश्यक कौशल

- मोबाइल ऐप डेवलपर बनने के लिए व्यक्ति को रचनात्मक और नवीनता से भरपूर होना चाहिए। उसे टेक्निकल-सैव्वी होना चाहिए और मानवीय जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने वाले ऐप्स विकसित करने की भावना के साथ विचारशील होना चाहिए।
- उन्हें रंगों का उपयोग करने में, एप्लीकेशन के संचालन में और सामान्य सहायता और बुनियादी सुझाव में सक्षम होना चाहिए।
- उन्हें सी, सी++ और सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली कुछ प्रोग्रामिंग भाषाओं में सक्षम होना चाहिए।
- मोबाइल ऐप डेवलपर्स को मोबाइल प्लेटफॉर्म एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) जैसे ऐप्पल आईओएस, एंड्रॉइड, विंडोज मोबाइल और सिम्बियन से परिचित होने में सक्षम होना चाहिए।

एप्लिकेशन डेवलपमेंट में करियर आसान नहीं होता है। शुरुआत से ही इसके लिए तैयार रहना चाहिए। जो छात्र अपने इस सपने को पूरा करना चाहते हैं उन्हें 12वीं कक्षा से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर बनने की कैसे करें तैयारी

स्टेप 1

छात्र विभिन्न विषयों जैसे सूचना अभ्यास, कंप्यूटर विज्ञान, भौतिकी, गणित आदि के बारे में तैयारी शुरू कर सकते हैं। छात्रों को अपनी पिछली शैक्षणिक यानी कक्षा 12 वीं परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। मुख्य विषयों के रूप में गणित और भौतिकी के साथ 10+2 कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इच्छुक उम्मीदवार को कंप्यूटर विज्ञान, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग या किसी अन्य संबंधित सॉफ्टवेयर विकास क्षेत्र में डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करना होगा। यह कई निजी और सरकारी इंजीनियरिंग संस्थानों द्वारा पेश किया जाता है। बी.टेक कंप्यूटर इंजीनियरिंग में प्रवेश पाने के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम कुल योग 50% होना चाहिए।

स्टेप 2

स्नातक/सर्टिफिकेशन पूरा करने और प्रचलित भाषाओं जैसे सी, सी++, जावा आदि का ज्ञान प्राप्त करने के बाद इच्छुक मोबाइल ऐप डेवलपर परियोजनाओं पर काम कर सकता है। कुछ बड़े मोबाइल ऐप डेवलपमेंट उद्यमों में शामिल होने से पहले अपने ज्ञान के आधार को बढ़ाने के लिए अपना खुद का छोटा एप्लिकेशन भी बना सकते हैं।

मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर बनने के लिए कोर्सेज

मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर बनने के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जिन्हें एक व्यक्ति अपना सकता है। इसके लिए मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर से संबंधित पाठ्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है –

- एप्लीकेशन डेवलपमेंट में सर्टिफिकेशन कोर्स
- बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- बीएससी कंप्यूटर साइंस
- बीसीए कंप्यूटर साइंस
- बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

किसी भी विदेशी यूनिवर्सिटी में एडमिशन से पहले जान लें ये बातें...

आज के समय में हायर स्टडी के लिए ज्यादातर छात्रों की पहली पसंद विदेशों में पढ़ाई करना है। लेकिन विदेशों में जाकर हायर एजुकेशन प्राप्त करना जितना बेहतर है उतना ही रिस्की भी है। विदेशों में पढ़ाई के लिए आने वाला खर्च सभी छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय है। लेकिन खर्चे के अलावा भी कई ऐसी बातें हैं जिनका ध्यान रखना उतना ही आवश्यक है। आइए जान लेते हैं कि विदेशों में यूनिवर्सिटी का चुनाव करने से पहले हमें किन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना है जरूरी।

कितना आएगा खर्च

विदेश में पढ़ने के लिए यह सबसे आवश्यक है कि छात्रों और उनके अभिभावकों के पास एडमिशन लेते समय ट्यूशन फीस और उसके अलावा आने वाले खर्च का ब्यौरा हो। अक्सर जितना यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर लिखा होता है उससे अधिक ही छात्रों को पैसा देना होता है। इसी कारण यह बेहतर है कि छात्र एडमिशन से पहले ही सारे खर्चों का ब्यौरा ले लिया जाए और इसके साथ ही छात्रों को आर्थिक मदद के लिए दिए जाने वाले स्कॉलरशिप की भी जानकारी होनी चाहिए।

इंटर्नशिप के मौके

किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को यह देख लेना चाहिए कि वह किस तरह के इंटर्नशिप और रिसर्च के अवसर प्रदान करता है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि जिस क्षेत्र या विषय में आप रुचि रखते हैं उसमें आपका अनुभव होना भविष्य के करियर के लिए जरूरी होगा क्योंकि यह छात्रों को अपने नेटवर्क का विस्तार करने का अवसर प्रदान करेगा।

इमिग्रेशन के नियम

कोरोना के बाद इमिग्रेशन के नियमों में कई बदलाव किए गए हैं ऐसे में यह आवश्यक है कि एडमिशन से पहले सभी नियमों को जान लिया जाए। कई देशों में इमिग्रेशन को लेकर सख्त कानून हैं तो कई जगहों पर छात्रों के लिए द्वार खुले हैं। उदाहरण के लिए कनाडा में छात्रों को लिए इमिग्रेशन पॉलिसी काफी लचीली है।

शैक्षिक संभावनाएं

किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को उस यूनिवर्सिटी से संबंधित शैक्षिक संभावनाओं को ध्यान में रखना चाहिए। यानी छात्रों को जिस यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना है उसकी रैंकिंग, स्कॉलरशिप के अवसर और उसमें पढ़ाए जाने वाले कोर्स की आदि की जानकारी होनी आवश्यक है।

यूनिवर्सिटी के बाद करियर

विदेशों में कॉलेज चुनते वक्त अक्सर छात्र यह ध्यान नहीं देते कि पढ़ाई के बाद करियर कैसा रहेगा। जबकि यह प्रश्न सबसे आवश्यक है। छात्रों को एडमिशन लेने से पहले यह ध्यान में रखना चाहिए कि यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के बाद छात्रों का करियर कैसा होगा।

विदेश में इंटर्नशिप क्यों है फायदेमंद? कैसे कर सकते हैं अप्लाई

विदेश में इंटर्नशिप करने का यह फायदा है कि आपको अच्छी जॉब्स मिलती हैं। विदेश में इंटर्नशिप के बाद नई-नई चीजें सीख सकते हैं और अनुभवी लोगों के साथ काम कर सकते हैं। इंटरनेशनल इंटर्नशिप दुनिया के विभिन्न संगठनों द्वारा डिजाइन किए गए प्रोग्राम हैं, जो उन छात्रों को अवसर प्रदान करते हैं, जो आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसका एकमात्र उद्देश्य इच्छुक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना है।

विदेश में आज भी इंटर्नशिप मुफ्त हैं, यहां आप विदेश में अध्ययन करने के लिए इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त कर सकते हैं और विदेश में अध्ययन करते समय आय भी बढ़ा सकते हैं।

विदेश में इंटर्नशिप क्यों है फायदेमंद

विदेश में इंटर्नशिप आपको अपने अध्ययन के क्षेत्र में स्किल्स प्राप्त करके, उसे फिर से शुरू करने और अध्ययन करने के दौरान एक आय बढ़ाने के अवसरों का अनुभव करने में मदद करती है। इसके अलावा, विदेशों में मुफ्त इंटर्नशिप आपको अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट देती है, जो आपके लिए विश्व स्तरीय ट्यूटर्स से सीखने के अनुभव और स्किल्स प्राप्त करना आसान बनाता है। विदेश में मुफ्त इंटर्नशिप बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आपको उन लोगों से मिलने का अवसर प्रदान करती है, जो अनुभवी हैं। ऐसा करने से आपके नेटवर्क बनते हैं और आप एक पेशेवर के रूप में खुद को तैयार करते हैं। साथ ही अपने आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और स्किल्स डेवलप करते हैं। अपने क्षेत्र को सही तरीके से पहचानें आप जिस भी क्षेत्र में रुचि रखते हैं वहां आपको इंटर्नशिप प्लेसमेंट के बेहतरीन मौके मिलेंगे। विदेशों में इंटर्न करने के लिए आपके चुनाव में विविधता एक बहुत बड़ा प्रभावक बन सकता है। आज के समय में कई इंटर्नशिप और प्लेसमेंट प्रदाता हैं, जो विदेश में आपके लिए किसी भी संगठन में सही इंटर्नशिप करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

वैश्विक नेटवर्क बढ़ता है

कोई भी इंटरनेशनल इंटर्नशिप आपको वैश्विक नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करेगी, जिसका आप सपना देख रहे हैं। यह आपको किसी भी निवेशक, नियोक्ता, सलाहकार और प्रभावशाली फील्ड के एक्सपर्ट से मिलवा सकती है। यहां आप अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं और अच्छी जॉब हासिल कर सकते हैं।

अच्छी जॉब और प्लेसमेंट की संभावनाएं

आज के समय में US, UK, कनाडा और सिंगापुर, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई देश है जो दूसरे देश के छात्रों को अपने यहां इंटर्नशिप करने का मौका देते हैं। ये देश हर साल अपने दूसरे देश के छात्रों को अपने यहां ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट और वर्चुअल इंटर्नशिप के लिए आमंत्रित करते हैं। इन इंटर्नशिप के बाद रोजगार पाने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि यह छात्रों के इंटर्न के दौरान उनके स्किल और प्रदर्शन पर भी निर्भर करता है।

इंटर्नशिप के लिए कहां देखें

आप एक इंटर्नशिप खोजने के लिए कुछ अलग मार्गों पर जा सकते हैं जो आपके लिए सही है या उनमें से एक संयोजन का प्रयास करें। अपने स्कूल के किसी सलाहकार से बात करें कि आप किस तरह के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। कुछ बिजनेस स्कूल इंटर्नशिप के लिए कंपनियों के साथ साझेदारी करते हैं, जिनमें से कुछ विदेश में हो सकते हैं। यदि आप पहले से ही विदेश में पढ़ रहे हैं या एक एक्सचेंज प्रोग्राम पर, भले ही सिर्फ एक या दो सेमेस्टर के लिए, यह उस स्कूल में करियर सलाहकार से बात करने में मदद करता है ताकि यह पता चल सके कि निकट भविष्य में कोई अवसर उपलब्ध हो सकता है या नहीं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 24 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

सरकारी चौपाल पर रसूखदार का 'कब्जा'

बाउंड्रीवॉल में कैद हुआ सरकारी मंच, अंजान बने सरपंच पति और पटवारी!

वन विभाग के फंड से बनी सार्वजनिक संपत्ति को निजी फार्महाउस में मिलाया, ग्रामीणों में भारी आक्रोश, जांच की मांग

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

भांडी पंचायत सरपंच पति

जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत भांडी के ग्राम केरा में सरकारी भूमि पर निर्मित चौपाल मंच अब विवादों के घेरे में आ गया है। ग्रामीणों के अनुसार लगभग 10 वर्ष पूर्व वन विभाग द्वारा सरकारी लागत से गांव में ग्रामीणों की बैठक, सामाजिक गतिविधियों और सार्वजनिक उपयोग के उद्देश्य से चौपाल मंच का निर्माण कराया गया था, लेकिन अब यह मंच कथित रूप से निजी कब्जे की जद में आता दिखाई दे रहा है। आरोप है कि बालाघाट निवासी एक व्यक्ति ने अपने फार्महाउस के निर्माण के बाद उक्त सरकारी चौपाल मंच को अपने परिसर में शामिल कर उसके चारों ओर कंपाउंड वाल का निर्माण करा लिया, जिससे सार्वजनिक संपत्ति पर निजी स्वामित्व का सवाल खड़ा हो गया है।

मामले ने उस समय और अधिक तूल पकड़ लिया जब ग्रामीणों के बीच यह चर्चा होने लगी कि जिस चौपाल मंच का निर्माण सरकारी धन से हुआ था और जो ग्रामीणों के सामुदायिक उपयोग के लिए बनाया गया था, वह अब ग्रामीणों की पहुंच से बाहर हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक संपत्ति पर यदि कोई निजी व्यक्ति कब्जा करता है तो यह केवल सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला नहीं है बल्कि ग्रामीण हितों की अनदेखी भी है।

सरपंच पति बना मामले से अंजान,कैमरा में बोलने से घबराया।

अवैध निर्माण जिसका विरोध कर रहे ग्रामीण।

सरपंच पति की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे घटनाक्रम में पंचायत की भूमिका भी सवालों के घेरे में दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचायत को वास्तव में जानकारी नहीं थी तो यह निगरानी व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है, और यदि जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो यह और अधिक गंभीर स्थिति मानी जाएगी। पंचायत की जिम्मेदारी केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं होती, बल्कि सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी भी पंचायत प्रशासन की होती है। ग्रामीणों के बीच अब यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि सरकारी चौपाल मंच को निजी कब्जे में लेने का आरोप सही पाया जाता है, तो इससे भविष्य में अन्य सरकारी संपत्तियों पर भी अतिक्रमण को बढ़ावा मिल सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों पर कार्रवाई नहीं हुई तो सरकारी जमीन और सार्वजनिक संपत्तियां धीरे-धीरे निजी कब्जों का शिकार हो सकती हैं।

राजस्व विभाग सरकारी संपत्ति के कब्जे से अंजान।

प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर राजस्व विभाग, पंचायत विभाग और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों ने इस मामले की निगरानी क्यों नहीं की। क्या मौके का निरीक्षण कभी नहीं किया गया? क्या सरकारी रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति में कोई अंतर है? या फिर मामला प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है? अब ग्रामीणों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि सरकारी भूमि पर कब्जा या बिना अनुमति निर्माण की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही पंचायत और जिम्मेदार विभागों की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आखिर इस पूरे मामले में चूक कहां हुई। फिलहाल ग्राम केरा का यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच करता है या फिर यह मामला भी अन्य विवादों की तरह फाइलों तक सीमित रह जाता है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि पंचायत स्तर पर भी इस निर्माण और कब्जे की कोई स्पष्ट जानकारी होने से इंकार किया जा रहा है। इतना ही नहीं, क्षेत्र के हल्का पटवारी को भी कथित रूप से इसकी जानकारी नहीं होने की बात सामने आ रही है। ग्रामीण आरोप लगा रहे है कि यदि यह स्थिति सही है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सरकारी भूमि पर इतना बड़ा निर्माण कार्य कैसे हो गया और प्रशासनिक तंत्र को इसकी भनक तक नहीं लगी।

जब इस विषय पर ग्राम पंचायत के सरपंच पति से चर्चा की गई तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पंचायत द्वारा निर्माण कार्य के लिए किसी प्रकार की एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी नहीं की गई है। उनका यह बयान कई नए सवालों को जन्म देता है। यदि पंचायत ने कोई अनुमति नहीं दी, तो आखिर सरकारी भूमि पर कंपाउंड वाल निर्माण किस आधार पर हुआ? यदि निर्माण बिना अनुमति के हुआ तो पंचायत और प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की?

ज्ञात हो कि वर्तमान समय में पंचायत क्षेत्र में किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य, विशेष रूप से सार्वजनिक या विवादित भूमि पर निर्माण के लिए पंचायत स्तर पर अनुमति और आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन अनिवार्य किया गया है। प्रशासन द्वारा भी समय-समय पर इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। ऐसे में यदि सरकारी भूमि और सरकारी निर्माण को निजी परिसरों में शामिल कर लिया गया है तो यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का विषय माना जा सकता है।

इनका कहना है।

• दस साल से अधिक समय से चौपल मंच वन विभाग ने बनाया

था जिसमे पंचायत द्वारा सुध ना लेने कि वजह से कचरा हो गया जिसको जमीन खरीदने वाले ने कब्ज़ा कर लिया समझाने के बाद भी मनमानी कि गई मंच से कब्ज़ा हटाया जाना चाहिए ।

-धम्मदीप खांडेकर, ग्रामीण

• मंच फॉरेस्ट से बना था जिसने पीछे जगह लिया है उसने आगे

बढ़ा दिया और मंच को अपने कब्जे में ले लिया है अधिकारी को नहीं बताए पर हमने आपत्ति उठाए थे सरपंच को बोले तो कहा कि मैं क्या कर लू ।

-सुखलाल नेवारे, ग्रामीण

मामला मेरे संज्ञान में नहीं आया है, पंचायत के तरफ से भी कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है।मुझे हल्का नया मिला है सभा मंच की जानकारी नहीं है। स्थानीय कोटवार से जानकारी लेकर देखता हु।

-अभयराज पारधी
पटवारी

कनकी में रात्रि कालीन चौपाल लगाकर कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

बिजली, पानी, सड़क और स्कूल की समस्याओं का मौके पर दिए समाधान के निर्देश

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के कलेक्टर मृणाल मीना ने गुरुवार 22 मई को लालबर्रा विकासखंड के ग्राम कनकी में रात्रिकालीन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। चौपाल में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के खंड एवं ग्राम स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौपाल की शुरुआत में ग्राम पंचायत कनकी के सरपंच दुर्गा प्रसाद पगरवार ने गांव की प्रमुख समस्याओं को सामने रखा। उन्होंने बताया कि गांव के आधे हिस्से को धपेरा फीडर और शेष हिस्से को गर्रा फीडर से बिजली आपूर्ति होने के कारण नियमित विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। इसके अलावा बांडा तालाब की भूमि का सीमांकन नहीं होने, नहरों की सफाई नहीं होने, रेत खदान से ग्रामीणों को रेत नहीं मिलने तथा नल-जल योजना का पानी आवासटोला तक नहीं पहुंचने जैसी समस्याएं बताई।

कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित अधिकारियों से मौके पर चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री ने 15 दिनों के भीतर बिजली फीडर संबंधी समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। वहीं पीएचई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लवादा की पानी टंकी में क्षमता अनुसार जल भंडारण नहीं होने से पेयजल संकट उत्पन्न हो रहा है। इस पर कलेक्टर ने शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग को बांडा तालाब की नहरों की सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए। ग्रामीणों ने पानी निकासी के लिए सड़क किनारे नाली निर्माण की मांग रखी। इस पर पंचायत सचिव को जेसीबी मशीन से नाली खुलवाने की कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं कनकी के बंजारी आवासटोला में स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र नहीं होने की समस्या पर कलेक्टर ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों के लिए वैकल्पिक शाला व्यवस्था करने तथा आंगनवाड़ी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

चौपाल में खाद्यान्न पात्रता पर्ची और प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े मामलों पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट किया कि अपात्र लोगों के नाम सूची से हटने के बाद पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न पर्ची जारी की जाएगी। वहीं जिन लोगों के नाम आवास प्लस सर्वे सूची में शामिल हो चुके हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलेगा।

कृषि एवं पशुपालन विभाग से संबंधित समस्याओं पर अधिकारियों ने ग्रामीणों को जानकारी दी। कृषि विभाग ने किसानों को मिट्टी परीक्षण सुविधा का लाभ लेने की अपील की, जबकि पशुपालन विभाग ने बताया कि मादा पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन सुविधा के लिए पशुपालक टोल फ्री नंबर 1962 पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर श्री मीना ने पटवारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कृषि विस्तार अधिकारी, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, एएनएम तथा पंचायत स्तर के अन्य कर्मचारियों की ग्राम पंचायत में उपलब्धता का साप्ताहिक शेड्यूल पंचायत भवन में चस्पा करने के निर्देश दिए।

चौपाल के दौरान स्वामित्व योजना के तहत गोपाल नखाते के नाम से दो पट्टे जारी होने का मामला भी सामने आया। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम को एक पट्टा निरस्त करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने चौपाल में प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का अब जल्द समाधान होगा।

कटंगी में ट्रैक्टर चालक से अवैध वसूली, तीन आरोपी जेल भेजे गए

जल जंगल जमीन हमारी है का हवाला देकर मांगे थे 10 हजार, आदिवासी समुदाय ने बताया फर्जी केस

राष्ट्रबाण कटंगी | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर चालक से अवैध वसूली और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। घटना 22 मई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भजियापार निवासी महेश भगत और जुगराज पटले ने कटंगी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वे अपने ट्रैक्टर से मिट्टी का परिवहन कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम पंचायत वरुड के दो युवकों और भजियापार के एक युवक ने उनका रास्ता रोक लिया।

आरोपियों का दावा, मुकदम सरकार हम हैं

शिकायतकर्ताओं के अनुसार आरोपियों ने खुद को आदिवासी बताते हुए कहा कि 'जल, जंगल, जमीन हमारी है और रूडी प्रथम मुकदम सरकार भी हम ही हैं।' आरोपियों ने धमकी दी कि यदि सरकारी जगह से कोई चीज ले जाई जाएगी या कोई काम किया जाएगा तो उन्हें रुपया देना होगा, अन्यथा परिणाम ठीक नहीं होगा। डर के कारण ट्रैक्टर चालकों ने आरोपियों को ऑनलाइन 10,000 रुपये का भुगतान भी कर दिया।

पुलिस की कार्रवाई

कटंगी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने ग्राम पंचायत वरुड निवासी राजेश पिता धनसिंह मडावी (34 वर्ष), अजय पिता जगन्नाथ मडावी (34 वर्ष) तथा भजियापार निवासी नवीन पिता मोहन कोकोटे (34 वर्ष) को हिरासत में लिया। पूछताछ में तीनों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर अवैध वसूली और जान से मारने की धमकी की धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने तीनों को जेल भेज दिया।

थाने और न्यायालय के बाहर जमा हुआ आदिवासी समुदाय

22 मई की दोपहर से ही कटंगी थाना परिसर में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग एकत्र हो गए थे। आरोपियों को न्यायालय ले जाने के बाद भी समुदाय के लोग न्यायालय के बाहर मौजूद रहे। समुदाय के लोगों का आरोप है कि तीनों युवकों को फर्जी मामले में फंसाया गया है। उनका कहना है कि आदिवासी हितों की बात करने पर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

थाना प्रभारी का बयान

इस संबंध में कटंगी थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुशराम ने बताया कि अवैध वसूली और धमकी की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में तीनों दोषी पाए गए। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

सड़क हादसे में पति-पत्नी घायल

बालाघाट। बालाघाट में एक सड़क हादसे में एक दंपत्ती घायल हो गया। शनिवार शाम शहर के आंबेडकर चौक पर एक तेज रफ्तार चौपहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। बैहर क्षेत्र के करवाही निवासी घनश्याम हरदे (40) अपनी पत्नी सुशीला हरदे (35) को निजी अस्पताल में चेकअप के बाद सोनोग्राफी कराने ले जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक को पीछे से आ रहे चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में सुशीला के सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं।

महिला बाल विकास, स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर वितरण की दवाई

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

परियोजना लालबर्रा के सेक्टर नैतरा अंतर्गत परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे मेडम के दिशा निर्देश अनुसार ग्राम पिपरिया बड़गांव आंगनवाड़ी केन्द्र में, पिपरिया बड़गांव एवं बड़गांव ग्राम के सेम, मेम, एसयूडब्ल्यू के कुल 37 बच्चों का 20 मई 26 को आरबीएस की टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच की जाकर दवाई वितरण किया गया। आयरन सीरप,मल्टी विटामिन, प्रोटीन सीरप, ऐलमेड़ाजोल, अमोएक्सिलिन इत्यादि दवाओं का वितरण किया गया, जनपद कार्यालय लालबर्रा स्टॉफ के श्री सोनवंशी द्वारा प्राप्त सहयोग राशि से घर पर बनाया जाने वाला सेरेलक,आदिवासी स्व सहायता समूह, पिपरिया बड़गांव के समूह के साथ मिलकर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने घर पर सेरेलक तैयार करने की विधि प्रदर्शन कर सेरेलक के पैकेट तैयार कर सभी बच्चों को सरपंच श्रीमती सुशीला डा गंगाराम पटले द्वारा वितरण करवाया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ~~आरबीएस~~ टीम की डॉ तृप्ति पाठक, बोपचे जी, शिवानी मर्सकोले,पिपरिया बड़गांव की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का विशेष योगदान रहा।

पांढ़रवानी पंचायत में वित्तीय अनियमितता की जांच के आदेश, 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर साहब के आदेश की अवहेलना कर रहा जिला पंचायत विधायक प्रतिनिधि व पांढ़रवानी सरपंच

ग्राम पंचायत पांढ़रवानी

पाढ़रवानी का महुआ तालाब

शिकायतकर्ता पांढ़रवानी उप सरपंच राकेश अग्रवाल

जिले की जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पांढरवानी में 'पांचवें वित्त आयोग' के कार्यों में बड़ी गड़बड़ी और नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। पांढरवानी के उपसरपंच राकेश अग्रवाल द्वारा की गई लिखित शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने संज्ञान में लेते हुए जाँच के आदेश दिए हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत पांढ़रवानी के अंतर्गत आने वाले महुआ तालाब में कराए गए कार्यों में वित्तीय अनियमितता तथा टेक्निकल सेंक्शन में उल्लेखित नियमों के विपरीत कार्य करने के आरोपों की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

जिला पंचायत कार्यालय द्वारा जनपद पंचायत लालबर्रा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे इस पूरे मामले की बिंदुवार तथ्यात्मक जांच करें। जिला पंचायत सीईओ ने आदेश देते हुए कहा है कि शिकायत पत्र में उल्लेखित तथ्यों की गहनता से जांच कर, आगामी 7 दिनों के भीतर अपने स्पष्ट अभिमत के साथ जांच प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से जिला कार्यालय को सौंपना सुनिश्चित करें। उपसरपंच द्वारा शिकायत में गड़बड़ी करने वाले दोषी सरपंच एवं सचिव को जांच कर पद से पृथक करने की भी मांग की गई है। इस जांच आदेश की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर और शिकायतकर्ता को भी सूचनार्थ भेजी गई है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 24 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

जल गंगा के नाम पर सरकारी इवेंटबाजी का संवर्धन

आयोजन खत्म होते ही ईद का चांद हो जाएगी प्रशासनिक मुस्तैदी!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सरकार में बैठे हुक्मरानों को जब तक फोटो खिंचवाने और वाहवाही लूटने का जल-स्त्रोत्र न मिले, तब तक उनका जल संरक्षण प्रेम जागता नहीं है। आगामी 25 मई को जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एक और भव्य सरकारी तमाशा माफ कीजिएगा,

भव्य आयोजन होने जा रहा है। जिले के प्रभारी और प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा मुख्य अतिथि बनकर इस इवेंट की शोभा बढ़ाएंगे, ताकि सरकारी फाइलों में जल संरक्षण का आंकड़ा पक्का किया जा सके।

करण सिंह वर्मा
सिवनी प्रभारी मंत्री, राजस्व मंत्री।

आयोजन के बाद ईद का चांद क्यों हो जाता है प्रशासन?

जनता अब इस इवेंट मैनेजमेंट की असलियत को समझ चुकी है। सवाल यह है कि 25 मई को जो वैनगंगा तट और शहर के जलस्रोत सरकारी अमले की अति-सक्रियता से चमकते नजर आएंगे, वे 26 मई की सुबह वापस अपने हाल पर क्यों छोड़ दिए जाएंगे? हर बार की तरह, जैसे ही मुख्य अतिथि का काफिला सिवनी की सीमा पार करेगा, जल संरक्षण का यह सारा सरकारी जोश ईद का चांद हो जाएगा। मोटे बजट की बंदरबांट, वीआईपी की खातिरदारी और अखबारों में फोटो छपने के बाद अधिकारी फिर से अपने वातानुकूलित कमरों में दुबक जाएंगे, नदियां फिर से गंदगी और उपेक्षा के आंसू रोएंगी और जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरसती रहेगी। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार की इवेंटबाजी से वैनगंगा का कितना संवर्धन होता है, या फिर हर बार की तरह सिर्फ सरकारी बजट का ही संवर्धन होकर रह जाता है।

सुबह की धूप में श्रमदान का नाटक, शाम को सांस्कृतिक ठाट-बाट!: तय कार्यक्रम के मुताबिक, सुबह 8:30 बजे वैनगंगा नदी के लखनवाड़ा तट पर जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों की फौज हाथों में फावड़ा-तगाड़ी लेकर सामूहिक श्रमदान का ऐसा पोज देगी, मानो आज ही पूरी नदी को पुनर्जीवित कर देंगे। इसके बाद, जो कसर सुबह रह जाएगी, उसे शाम 7:00 बजे उत्कृष्ट विद्यालय के मैदान में सांस्कृतिक संध्या के नाम पर भारी-भरकम बजट फूंककर, नाच-गाने और भाषणबाजी के जरिए पूरा किया जाएगा।

जल बचाने का संदेश देने के लिए लाखों लीटर पानी की तरह पैसा बहाने की यह अद्भुत प्रशासनिक कला सिर्फ यहीं देखने को मिल सकती है।

अधिकारियों को कुर्सी बचाने और भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी!

इस एक दिवसीय तमाशे को सुव्यवस्थित करने के लिए डिप्टी कलेक्टर पूर्वी तिवारी, जनपद सीईओ लोकेश साहू, जनजातीय कार्य विभाग के लालजीराम मीणा, डीईओ शिवराज सिंह कुमरे और नगरपालिका सीएमओ विशाल मर्सकोले जैसे आला अफसरों को मोर्चे पर लगाया गया है। निर्देश साफ हैं कि चाहे काम धरातल पर शून्य हो, लेकिन हुक्मरानों के सामने साहबों और कर्मचारियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत होनी चाहिए, ताकि साहब नाराज न हों।

काम कछुआ चाल, पर रसूख हवा में!

जनता त्रस्त, ठेकेदार-अध्यक्ष अपनी ही धुन में मस्त!

विकास या विनाश?

खबर प्रकाशन के बाद भी धीमी रफ्तार से चल रहा कार्य।

भैरवगंज चौक का प्रवेश द्वार 139 दिन बाद भी विकास अधूरा, ठेकेदार और पालिका अध्यक्ष की जुगलबंदी ने जनता का जीना किया मुहाल

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

कहते हैं कि जहाँ इच्छाशक्ति हो, वहाँ बड़े से बड़ा निर्माण कार्य भी चंद दिनों में पूरा कर लिया जाता है। लेकिन सिवनी के भैरवगंज चौक पर बन रहा प्रवेश द्वार आज सुशासन के दावों और प्रशासनिक कार्यप्रणाली का मखौल उड़ा रहा है। इस प्रवेश द्वार के निर्माण सामाचार राष्ट्रबाण द्वारा 139 दिन आज पूरा हो गए है। लेकिन कछुआ चाल से चल रहा यह काम खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। हालत यह है कि जिस द्वार को शहर की शोभा बढ़ाना था, वह आज आम जनता के लिए जी का जंजाल बन चुका है।

सत्ता की कुल्हाड़ी और बेबस जनता

शहर में यह चर्चा जोरों पर है कि ठेकेदार भाजपा युवा मोर्चा के भुनेश कुल्हाड़े और नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडीया की आपसी जुगलबंदी और राजनीतिक रसूख के कारण इस काम को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। सत्ता के गलियारों में ऊँची पहुँच का नतीजा यह है कि ठेकेदार भुनेश कुल्हाड़े पर कोई प्रशासनिक चाबुक चलाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। जनता का आरोप है कि इस राजनीति और ठेकेदारी ने मिलकर नगर के विकास को नरक में तब्दील कर दिया है।

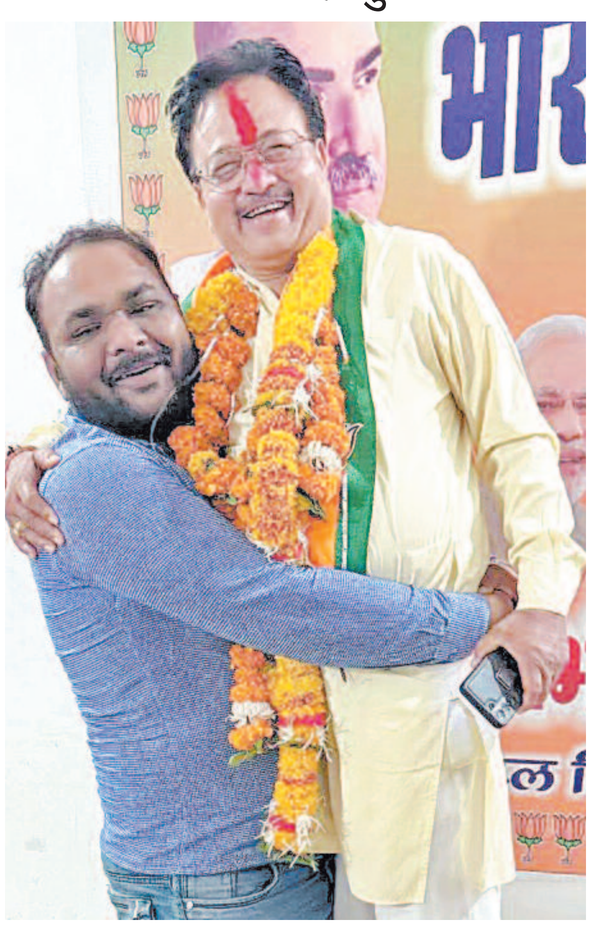

ये रिश्ता क्या कहलाता है? कमीशन वाली यारी, निर्माणकार्य पर भारी!
नपा अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया के साथ ठेकेदार भुनेश कुल्हाड़े।

गेट नहीं, मुसीबत का द्वारा

मौके पर मौजूद ढांचा किसी निर्माण स्थल से ज्यादा एक बड़े अवरोधक जैसा नजर आता है। इस लापरवाही के कारण मुख्य मार्ग पूरी तरह बंधक बन चुका है, जिससे आए दिन यहाँ लंबा जाम लगता है। रास्ते की रुकावट के चलते स्थानीय दुकानदारों का धंधा पूरी तरह मंदा पड़ गया है। आसपास के गाँवों से आने वाले किसानों और दूध विक्रेताओं को रोजाना जाम की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

आखिर कब टूटेगी प्रशासन की नींद?

जो काम कुछ ही दिनों में पूरा हो जाना चाहिए था, उसके लिए महीनों का वक्त बीत जाना सीधे तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार की बू देता है। वही धूल और जाम फाँसती जनता के सब्र का बांध अब पूरी तरह टूट चुका है। यदि इस अधूरे ढांचे को जल्द पूरा नहीं किया गया, तो यह गेट विकास का नहीं, बल्कि प्रशासनिक नाकामी और भ्रष्टाचार का एक जीता-जागता स्मारक बनकर रह जाएगा।

रक्तदान महादान : सामूहिक प्रयास से बचीं जिंदगियां

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर समाज के लिए प्रेरणा की एक नई मिसाल बनकर उभरा है। इस शिविर की सबसे खूबसूरत बात यह रही कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयपाल सिंह ठाकुर और सिविल सर्जन डॉ. विनोद नावकर के मार्गदर्शन में खुद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आगे आकर उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। जब रक्षक ही स्वयं मिसाल बनते हैं, तो समाज में जागरूकता का संचार और भी तेजी से होता है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के इस सामूहिक प्रयास और उनके द्वारा किए गए विशेष योगदान के चलते कुल 71 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। यह 71 यूनिट रक्त केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भविष्य में कई गंभीर मरीजों, दुर्घटना पीड़ितों और जरूरतमंदों को मिलने वाला नया जीवन है। ब्लड बैंक की टीम और सभी सहयोगियों के इस निस्वार्थ प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि हमारा समाज आज भी मानवता और सेवा भावना से ओतप्रोत है। यह शिविर हमें संदेश देता है कि हमारा थोड़ा सा रक्त किसी के जीवन का सबसे बड़ा उपहार बन सकता है।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
7000427433

भाजपा के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का भव्य शुभारंभ

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

भारतीय जनता पार्टी के पं. दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत स्थानीय दा ग्रेंड राजवाड़ा सेलेब्रेसन में दो दिवसीय आवासीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का भव्य शुभारंभ हुआ। भाजपा जिला अध्यक्ष मीना बिसेन, मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते, बालाघाट सांसद भारती पारधी और वर्ग प्रभारी सत्यनारायण अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने ध्वजारोहण, प्रदर्शनी के उद्घाटन और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। जिला अध्यक्ष श्रीमती बिसेन ने बताया कि वर्ग में तय 178 की अपेक्षित संख्या में से 170 प्रशिक्षणार्थी सहभागिता कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन और समय पालन की अपील की, जबकि वरिष्ठ नेताओं ने संगठन की मजबूती के लिए विचार के प्रति निष्ठा और आधुनिक तकनीक व सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया।

भाजपा जिला मीडिया विभाग के मनोज मर्दन त्रिवेदी के अनुसार पहले दिन छह महत्वपूर्ण वैचारिक, संगठनात्मक और तकनीकी सत्र

आयोजित किए गए। इनमें विचार परिवार विषय पर प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन देश के समक्ष चुनौतियाँ पर विनोद गोटिया, कार्यपद्धति पर भीष्म द्विवेदी, गरीब कल्याणकारी योजनाएँ पर छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी, सोशल मीडिया व एआई पर श्रीकांत साहू व आदित्य शर्मा और कार्यकर्ता विकास पर पूर्व विधायक ताराचंद बाबरिया ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इन सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः डॉ. ढाल सिंह बिसेन, वेद सिंह ठाकुर, राकेश पाल, कीरत सिंह बघेल, सुदर्शन बाझल और सुजीत जैन ने की। सत्रों के समापन के बाद व्यावहारिक और समूह गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस पूरे आयोजन में वर्ग संयोजक संतोष अग्रवाल, वर्ग नियंत्रक लालू राय और जिला महामंत्री गजानंद पंचेश्वर व मुकेश बघेल व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। इस दो दिवसीय वर्ग का समापन 24 मई को पांच विशेष सत्रों के साथ होगा।

युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप

खाकी और आबकारी की मेहरबानी से इकट्ठा हुआ कार्यक्रम के लिए चंदा!

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी खुद को चाल, चरित्र और चेहरे की दुहाई देकर कतई ईमानदार और सुचिता की राजनीति करने वाली पार्टी बताती है, वहीं जमीनी स्तर पर इसके कुछ पदाधिकारी पार्टी की साख पर ऐसा बट्टा लगा रहे हैं जिसे धोना नेतृत्व के लिए नामुमकिन साबित हो सकता है। ताजा मामला सिवनी जिले के बंडोल मंडल का है, जहां से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने राजनीतिक गलियारों से लेकर प्रशासनिक महकमों तक में चर्चा का बाजार गर्म कर दिया है। पार्टी के ही विश्वसनीय सूत्रों ने अपनी ही पार्टी के एक रसूखदार पदाधिकारी के खिलाफ बगावती सुर अख्तियार करते हुए भ्रष्टाचार की पोल खोल कर रख दी है।

नितिन साहू के सिर फूटा वसूली भाई का ठीकरा!

इस पूरे कथित चंदा उगाही कांड के केंद्र में सीधे तौर पर नितिन साहू अध्यक्ष, युवा मोर्चा मंडल भाजपा बंडोल, सिवनी का नाम सामने आ रहा है। सूत्रों का दावा है कि इस पूरी राशि की जमीनी स्तर पर अवैध वसूली खुद नितिन साहू द्वारा की गई थी। सत्ता की हनक और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ साठगांठ का ऐसा कॉकटेल तैयार किया गया कि किसी की हिम्मत इस वसूली के खिलाफ चूं तक करने की नहीं हुई।

इतना ही नहीं, बंडोल में सुगबुगाहट और आरोप तो यह भी लग रहे हैं कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। क्षेत्र में जब भी कोई छोटा-मोटा या अन्य कार्यक्रम आयोजित करवाना होता है, तो इसी प्रकार का सिंडिकेट एक्टिव हो जाता है और विभागों के दबाव में व्यापारियों तथा आमजन से अवैध रूप से चंदे के नाम पर अवैध वसूली की जाती है। चंदे के इस कथित धंधे ने अब पार्टी के भीतर ही गुटबाजी और असंतोष की आग भड़का दी है।

श्याम टेलर के आगमन पर मेहरबानी का खेल!

नितिन साहू, मंडल अध्यक्ष भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष के साथ।

सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों क्षेत्र में आयोजित हुए श्याम टेलर के कार्यक्रम को लेकर अंदरूनी तौर पर बड़ा खेल खेला गया। आरोप है कि इस कार्यक्रम के आयोजन के नाम पर जो रकम यानी 'चंदा' इकट्ठा किया गया था, वह कोई स्वैच्छिक सहयोग नहीं था। बल्कि, इस चंदे के पीछे बंडोल पुलिस थाना और आबकारी विभाग के आला अधिकारियों की कथित खास मेहरबानी और शह शामिल थी। चर्चाएं तो यहाँ तक हैं कि व्यापारियों और क्षेत्र के लोगों को डरा-धमकाकर और विभागों का खौफ दिखाकर जबरन जेबें ढीली कराई गईं।

क्या गिरेगी कार्रवाई की गाज?

विश्वसनीय सूत्रों द्वारा लीक की गई इस जानकारी के बाद अब बंडोल भाजपा में हड़कंप मचा हुआ है। देखना यह होगा कि मामले की भनक लगने के बाद क्या भाजपा जिला नेतृत्व और युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अपने इस दागी मंडल अध्यक्ष नितिन साहू पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हैं, या फिर हमेशा की तरह इस गंभीर मामले को भी सत्ता के रसूख के नीचे दबा दिया जाएगा? वहीं दूसरी ओर, इस मामले में बंडोल पुलिस और आबकारी विभाग की संलिप्तता के आरोपों ने प्रशासनिक साख पर भी बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

ईमानदारी का ढोंग और चंदे का धंधा, प्रदेश अध्यक्ष से तीखे सवाल!

अब सबसे बड़ा और तीखा सवाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा और शीर्ष नेतृत्व के सामने खड़ा हो गया है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री तक भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ बंडोल जैसे छोटे मंडलों में पार्टी के नाम पर और प्रशासनिक मेहरबानी से ऐसा उगाही खेल चल रहा है। पार्टी के ही निष्ठावान कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि इतनी बड़ी और दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दम भरने वाली भाजपा को छोटे-मोटे कार्यक्रमों के लिए भी इस प्रकार अवैध स्रोतों और जबरन चंदे पर निर्भर रहना पड़ रहा है, तो यह बेहद शर्मनाक और डूब मरने वाली बात है। एक तरफ ईमानदारी की बड़ी-बड़ी बातें और दूसरी तरफ पर्दे के पीछे अधिकारियों की साठगांठ से चंदा इकट्ठा करके युवा मोर्चा के नेता आखिर क्या साबित करना चाहते हैं?

सिवनी में पिकअप-ट्रैक्टर टक्कर, एक की मौत

दो घायलों की हालत गंभीर, 12 बकरियां भी मारी गई

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क हादसा हो गया। चौथा पुल के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर से तेज रफ्तार पिकअप वाहन पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गया, जबकि ट्रैक्टर भी खेत में जा गिरा। इस दुर्घटना में पिकअप सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में पिकअप में लदी 12 बकरियों की भी मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बकरियों से भरी यह पिकअप वाहन धूमा से बंडोल की ओर जा रहा था। वाहन में बड़ी संख्या में बकरियां लदी हुई थीं। जब पिकअप राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित चौथा पुल के पास पहुंची, तभी वह सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन पलट गया।

इस दुर्घटना में बंडोल क्षेत्र के जुरतरा निवासी बालक राम राठौर (50) पुत्र मूलचंद राठौर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनका पुत्र कार्तिक राठौर (27) और बंडोल निवासी शिवकुमार बंजारा (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मध्य प्रदेश पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433